विजेता जागो प्रार्थना कैलेंडर नवंबर **2023**

1. धन्य **-**यीशु ने कहा**: "**धन्य हैं वे जो आत्मा के दीन हैं, क्योंकि स्वर्ग का राज्य उन्हीं का है**" (**मत्ती **5:3)**। प्रार्थना करें कि मनुष्य प्रभु के साथ महत्वपूर्ण रिश्ते के बाहर अपनी आध्यात्मिक गरीबी को पहचानें और उनकी स्वर्गीय उपस्थिति की समृद्धि की गहरी भावना का अनुसरण करें।

2. शोक **-**यीशु ने कहा**: "**धन्य हैं वे जो शोक मनाते हैं, क्योंकि उन्हें शान्ति मिलेगी**" (**मत्ती **5:4)**। प्रार्थना करें कि मनुष्य अपने पाप पर शोक मनायें और इसे परमेश्वर के प्रति अपराध के रूप में देखें; फिर, स्वीकारोक्ति और पश्चाताप में, उसकी सांत्वनादायक क्षमा प्राप्त करें।

3. नम्रता **-**यीशु ने कहा**: "**धन्य हैं वे जो नम्र हैं, क्योंकि वे पृथ्वी के अधिकारी होंगे।**" (**मत्ती **5:5)** लोगों के लिए प्रार्थना करें कि वे शिक्षाप्रद और सौम्य बनें, प्रभु और धर्मनिष्ठ गुरुओं की शिक्षा के प्रति खुले रहें। प्रार्थना करें कि घमंडी लोग परमेश्वर के शक्तिशाली हाथ के नीचे खुद को विनम्र कर लें।

4. भूख **-**यीशु ने कहा**: "**धन्य हैं वे जो धार्मिकता के भूखे और प्यासे हैं, क्योंकि वे तृप्त किये जायेंगे।**" (**मत्ती **5:6)** पुरुष अक्सर अपने हृदय के खालीपन को ग़लत चीज़ों से भरने की कोशिश करते हैं। मनुष्यों के लिए प्रार्थना करें कि वे परमेश्वर के लिए भूखे और प्यासे रहें और उनसे तथा उनकी धार्मिकता से परिपूर्ण हो जाएं।

5. दया **-**यीशु ने कहा**: "**धन्य हैं वे दयालु, क्योंकि उन पर दया की जाएगी।**" (**मत्ती **5:7)** पुरुषों के लिए प्रार्थना करें कि वे अपने परिवारों और सहकर्मियों के प्रति दया का कोमल हृदय रखें। बदला लेने के बजाय, प्रार्थना करें कि मनुष्य क्षमाशील हृदय रखें और दूसरों के अपराधों के प्रति उसी दया से व्यवहार करें जैसा वे चाहते हैं कि दूसरे उनके अपराधों के प्रति करें।

6. मध्यस्तता **–** “परन्तु मैं ने तुम्हारे लिये प्रार्थना की, कि तुम्हारा विश्वास जाता न रहे” **(**लूका **22:32)**। ये पतरस के लिए यीशु के शब्द हैं। अद्भुत, यीशु अपने शिष्यों के लिए प्रार्थना करते हैं**!** जब हम दूसरों के लिए प्रार्थना करते हैं, तो हम उसके साथ जुड़ जाते हैं।

7. परमेश्वर से प्रेम करना **-**यीशु ने पतरस से तीन बार पूछा, “क्या तू मुझ से प्रेम करता है**?”** (यूहन्ना **21:15-17)** फिर, वह पतरस को बिना किसी आरोप के बहाल करता है। यीशु का प्रश्न**: "**क्या तुम मुझसे प्रेम करते हो**?"** पतरस को स्वीकार करने के लिए निर्णायक था और आपको और मुझे उसकी सेवा में स्वीकार करने के लिए भी निर्णायक है।

8. सहभागिता **-"**परन्तु यदि हम ज्योति में चलें, जैसा वह ज्योति में है, तो हम एक दूसरे के साथ सहभागी हैं, और उसके पुत्र यीशु का लहू हमें सब पापों से शुद्ध करता है**" (1** यूहन्ना **1:7)**। यही सच्ची संगति की कुंजी है। आइए उसके पवित्र शरीर के मुक्ति प्राप्त अंगों के रूप में प्रकाश में चलें।

9. प्रशासक **-**जब हम यीशु के साथ रहते हैं, तो कुछ भी हमारा नहीं रह जाता। यह अब मेरा घर, मेरा पैसा, मेरा शरीर नहीं है। सब कुछ यीशु का है, लेकिन मैं इसका उपयोग कर सकता हूँ और आनंद ले सकता हूं और एक अच्छे प्रशासक के रूप में परमेश्वर के अधीन रह सकता हूं। (प्रेरितों **4:32)**

10. मर्दानगी **-**"सावधान रहो; विश्वास में दृढ़ रहो; साहसी व्यक्ति बनें; मजबूत बनो। **(1** कुरिं**. 16:13)** हम पुरुषों के लिए बाइबिल के मूल्य सतर्कता, विश्वसनीयता, विश्वासयोग्यता और ताकत हैं। परमेश्वर हमें इन चारित्रिक गुणों को विकसित करने और उसके हृदय के अनुसार मनुष्य बनने में मदद करना चाहता है।

11.जीवित रहना ही मसीह है **-**प्रिय प्रभु, मुझे मसीह में मेरी पहचान दिखाओ। मुझे अपने आप को वैसे ही देखने का कारण बना जैसे आप मुझे देखते हैं। जिस तरह से आप मुझे देखते हैं, उसी तरह आपने मुझे एक नई रचना के रूप में बनाया है **-** मसीह में जीवित। यही वास्तविक और सच्चा जीवन है। मुझे इस आश्वस्त भरोसे के साथ साहसपूर्वक मृत्यु का सामना करने में सक्षम बनाएं कि मरना लाभ है। **(**फिलि**. 1:21)**

12. परम बदलाव**-** हे परमेश्वर , मैं बहुत आभारी हूं कि मुझे अब अपना जीवन बदलने की कोशिश नहीं करनी पड़ेगी। अब जब मैंने मसीह को प्राप्त कर लिया है, तो आपने मुझे अंदर से बाहर तक बदल दिया है। मेरे पुराने जीवन को अपने गौरवशाली नए जीवन से बदलने का सौभाग्य प्राप्त करने के लिए धन्यवाद। आपने मुझे मसीह के साथ मिलकर पूरी तरह से नया बना दिया है। **(2** कुरिं**. 5:17)**

13. मृत्यु**:** जीवन का प्रवेश द्वार**-** प्रिय प्रभु, मेरा मानना है कि आपका मार्ग सर्वोत्तम मार्ग है। मुझे अपने जीवन में आपके मार्ग पर चलने की कृपा प्रदान करें। आदम में मेरा पुराना स्वार्थी जीवन तब समाप्त हो गया जब आप क्रूस पर मरे। मैं क्रूस पर आपके साथ अपनी मृत्यु स्वीकार करता हूँ। मैं अपना पुराना जीवन छोड़ देता हूं। मसीह में इस खूबसूरत नए जीवन के लिए धन्यवाद**! (**मत्ती **16:24)**

14. व्यर्थ परिश्रम **-** स्वर्गीय पिता, मैं आपके लिए कड़ी मेहनत कर रहा हूं, लेकिन मानता हूं कि मेरा शारीरिक श्रम व्यर्थ है। अब मैं देखता हूं कि आपका राज्य एक स्वर्गीय राज्य है और आपने कहा है कि केवल मेरा आध्यात्मिक श्रम कभी व्यर्थ नहीं जाता है। मुझे प्रभु के साथ सह**-**श्रमिक बनने की अनुमति देने के लिए धन्यवाद**! (**भजन **127:1)**

15. प्रभु में विश्राम **-** प्रिय परमेश्वर, मैंने वास्तव में आपके लिए जीने की कोशिश की है, लेकिन मैं असफल होता रहा हूं। मैं इतना थक गया हूं कि अब और प्रयास नहीं करना चाहता। आप मुझे अपने पास आने के लिए बुलाते हैं। आपका धन्यवाद, कि जब से मैंने मसीह को प्राप्त किया है, मैं एक दिव्य मिलन में आपके साथ जुड़ गया हूँ। इसलिए, अब मेरा बोझ उठानेवाले वाले के रूप में आप पर विश्राम करता हूं। **(**मत्ती **11:28-30)**

16. वास्तविक सफलता**-** "व्यवस्था की यह पुस्तक तुम्हारे मुँह से उतरने न पाए, इस पर मनन करो**...** तब तुम समृद्ध और सफल होगे**"** (यहोशू **1:8)**। स्थायी और पूर्ण सफलता भौतिक और मानवीय विजय से परे है। इसलिये, वचन आधारित मनुष्य बनो; इस पर ध्यान करें और उनके शाश्वत मूल्यों के अनुसार जिएं।

17. सामान्य मसीही जीवन-"वास्तव में जो कोई मसीह यीशु में भक्तिपूर्ण जीवन जीना चाहता है, उसे सताया जाएगा" **(2** तीमु**. 3:12)**। सुसमाचार की पूर्णताएँ आज की आनंद और सापेक्षता की बढ़ती पूजा का विरोध करती हैं। जब मसीह के अनुयायियों का उत्पीड़न नई सामान्य बात होगी, तब दृढ़ता से खड़े रहने के लिए प्रार्थना करें।

18. योग्यता **-"**ऐसा नहीं है कि हम अपने लिए कुछ भी दावा करने में सक्षम हैं, बल्कि हमारी क्षमता परमेश्वर से आती है**" (2** कुरिं**. 3:5)**। आइए यह कभी न भूलें कि मसीही जीवन मसीह का जीवन है। केवल वह ही इसे हमारे अंदर और हमारे माध्यम से जी सकता है। इसलिए, अकेले समाधान निकालने की इच्छा का विरोध करें और परमेश्वर की इच्छा के प्रति विनम्र आज्ञाकारिता में समर्पण करें।

19. संघर्ष **-"**पाप के विरुद्ध अपने संघर्ष में, आपने अभी तक अपना खून बहाने की हद तक विरोध नहीं किया है**" (**इब्रा**. 12:4)**। क्योंकि मसीह ने क्रूस पर अपना लहू बहाया, हम पाप के दंड से मुक्त हो गए हैं। प्रलोभन का विरोध करने के लिए तैयार रहने और अपने आत्म-जीवन के अंतिम प्रतिरोध को भी उसे समर्पित करने के लिए प्रार्थना करें।

20. न्यायी**- "...**वही वह है जिसे परमेश्वर ने जीवितों और मृतकों का न्यायी नियुक्त किया है**" (**प्रेरितों के काम **10:42**बी**)**। यीशु मसीह इसे बचाने के लिए दुनिया में आये। प्रार्थना करें कि आप सुसमाचार फैलाने के लिए तैयार रहें जब कभी प्रभु आपको अवसर देते हैं। परन्तु उन लोगों को चेतावनी देने के लिए भी तैयार रहो जो विरोध करते हैं क्योंकि, अविश्वासियों के लिए, वह न्यायी होगा।

21. आखिरी शब्द**-"**मैं जानता हूं कि मेरा छुड़ानेवाला जीवित है, और अन्त में वह पृथ्वी पर खड़ा होगा" **(**अय्यूब **19:25)**। उन लोगों से प्रभावित न हों जो सबसे ऊंचे स्वर में बोलते हैं, जिनके अनुयायी सबसे अधिक हैं या जिनका राजनीतिक प्रभाव सबसे अधिक है। इस जगत का राज्य नष्ट हो जाएगा। हमारे आने वाले और शाश्वत राजा प्रभु यीशु मसीह पर ध्यान केंद्रित रखें।

22. नमक और ज्योति होना**–"**तुम पृथ्वी के नमक हो। परन्तु यदि नमक अपना नमकीनपन खो दे तो उसे दोबारा नमकीन कैसे बनाया जा सकता है**?** वह अब किसी काम का नहीं, सिवाय इसके कि बाहर फेंक दिया जाए, और मनुष्यों से रौंदा जाए" **(**मत्ती **5:13)**। मसीह अपने शिष्यों को जीवन और परिवर्तन का प्रतिनिधि बनने के लिए कहते हैं। आज आपके माध्यम से मसीह की ज्योति चमकने के लिए प्रार्थना करें।

23. बीमारी**-"**यह बीमारी मृत्यु में समाप्त नहीं होगी। न ही यह परमेश्वर की महिमा के लिये है" **(**यूहन्ना **11:4)**। चिकित्सा और स्वस्थ जीवन पृथ्वी पर हमारे समय को लम्बा खींच सकता है लेकिन हमेशा के लिए नहीं। केवल यीशु ही अनन्त जीवन देते हैं। यदि आप उसके हैं, तो आपको कभी डरना नहीं चाहिए। हमेशा आपके साथ रहने और यहां तक कि बीमारी को भी परमेश्वर की महिमा के लिए इस्तेमाल करने के लिए उन्हें धन्यवाद दें।

24. एकांत **-"**बहुत भोर को, जबकि अभी भी अँधेरा था, यीशु उठे, घर से निकले और एकान्त स्थान में चले गये, जहाँ उन्होंने प्रार्थना की**" (**मरकुस **1:35)**। यीशु से बड़ी ज़िम्मेदारी और महत्वपूर्ण मकसद किसी के पास नहीं था। प्रभु, मैं पहले आपको खोजना चाहता हूँ; मुझे अपनी आवाज़ सुनने की अनुमति दो। मैं आपके लिए जीना चाहता हूं और आपकी इच्छा पूरी करना चाहता हूं**!**

25. शुद्ध धर्म**-"**हमारे पिता परमेश्वर जिस धर्म को शुद्ध और निर्दोष मानते हैं वह यह है**:** अनाथों और विधवाओं के संकट में उनकी देखभाल करना**" (**याकूब **1:27)**। परमेश्वर अनाथों और विधवाओं की परवाह करते हैं जो हानि, अलगाव, असुरक्षा और मृत्यु के असहनीय दर्द का अनुभव करते हैं। उसे अपने धर्म की पवित्रता दिखाने के लिए आपका उपयोग करने की अनुमति दें।

26. सत्य बोलना **–"**प्रेम में सत्य बोलने के स्थान पर, हम सब बातों में उसके सिर, अर्थात् मसीह के रूप में विकसित होंगे**" (**इफि**. 4:15)**। मसीह और परमेश्वर का वचन वह सत्य है जिसकी हमारी दुनिया को आवश्यकता है। उसकी सच्चाई का एक बुद्धिमान और प्रेमपूर्ण गवाह बनने के लिए प्रार्थना करें क्योंकि आप मसीह को आपके अंदर और आपके माध्यम से घर पर और हमारी जरूरतमंद दुनिया के लिए रहने की अनुमति देते हैं।

27. समाजीकरण **-** जीवन व्यस्त है, लेकिन दिन के अंत में सभी एक सुखद पारिवारिक मिलन की इच्छा रखते हैं। कठिनाइयाँ, अनियंत्रित स्वभाव और धैर्य की कमी घर की शांति को भंग कर देती है। **"**नरम उत्तर से क्रोध ठण्डा होता है, परन्तु कठोर शब्द से क्रोध भड़क उठता है**" (**नीतिवचन **15:1)**। परमेश्वर, मेरे परिवार में एक स्वस्थ वातावरण को बढ़ावा देने में मेरी मदद करें।

28. भरोसा **-** पिता द्वारा अपने बच्चों को कहे गए शब्द उनके जीवन का सफर तय कर सकते हैं। नीतिवचन में बुद्धिमान व्यक्ति अपने बेटे को निर्देश देता है**: "**तुम्हारा भरोसा यहोवा पर हो, यह मैं आज तुम्हें सिखाता हूं।**" (**नीति**. 22:19)** प्रभु, मेरी शिक्षा मेरे बच्चों को आपके वचन पर भरोसा करने और मेरे उदाहरण का अनुसरण करने के लिए प्रोत्साहित करे।

29. अच्छी लड़ाई **- "**क्योंकि हमारे युद्ध के हथियार मानवीय नहीं, परन्तु गढ़ों को नष्ट करने के लिए परमेश्वर में सामर्थी हैं**" (2** कुरिं**. 10:4)**। शब्द हमेशा विश्वास नहीं दिलाते, खासकर जब हमें सांसारिक विचारधाराओं और शिक्षाओं के खिलाफ लड़ना होता है, जिनसे हमारे बच्चे रोजाना अवगत होते हैं। परमेश्वर, मुझे मेरे प्रियजनों को बुरे प्रभावों से बचाने की शक्ति दें।

30. सेवा **-** विवाहित जीवन अधिकार की प्रतियोगिता नहीं है, बल्कि स्वयं प्रभु यीशु के प्रति विनम्रता और अधीनता में एक सेवक की भावना से जुड़ा है। **"**मसीह के भय से एक दूसरे के आधीन रहो**" (**इफिसियों **5:21)**। हम मनुष्य अपनी पत्नियों के प्रति सही दृष्टिकोण रखें, उनकी सेवा करें, इस प्रकार हम में मसीह के जीवन का प्रदर्शन करें।